भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. +1332

शनिवार, **19** सितम्बर, **2020/28** भाद्रपद**, 1942 (**शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

क्रूज टूरिज्म का विकास

+1332. श्री डी॰ एन॰ वी॰ सेंथिलकुमार एस॰:

डॉ॰ सुभाष रामराव भामरेः

श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुलेः

श्री बी॰ मणिक्कम टैगोरः

श्री कुलदीप राय शर्माः

डॉ॰ अमोल रामसिंह कोल्हेः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में उन राज्यों का ब्यौरा क्या है जिनमें क्रूज टूरिज्म की अत्यधिक संभावना है तथा इन्हें किस प्रकार विकसित किया जाएगा;

(ख) देश में क्रूज टूरिज्म की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) देश में क्रूज टूरिज्म की अत्यधिक संभावना के बावजूद क्रूज टूरिज्म के कम विकास के क्या कारण हैं;

(घ) देश में क्रूज टूरिज्म के विकास हेतु विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान कितनी धनराशि आवंटित की गई है;

(ङ) क्या सरकार ने देश में क्रूज टूरिज्म हेतु कोई कार्य योजना बनाई है और यदि हां, तो इससे कितना रोज़गार सृजित होने की संभावना है; और

(च) देश में क्रूज टूरिज्म के संवर्धन में सरकार के समक्ष क्या समस्याएं आ रहीं है**?**

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) : देश के पांच प्रमुख पत्तन अर्थात मुंबई पोर्ट ट्रस्ट, मुर्मूगांव पोर्ट ट्रस्ट, न्यू मंगलौर पोर्ट ट्रस्ट, कोचीन पोर्ट ट्रस्ट तथा चेन्नई पोर्ट ट्रस्ट क्रमशः महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु राज्य में अवस्थित है।

पर्यटक गंतव्यों तथा उत्पादों का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों की जिम्मेदारी है। पर्यटन मंत्रालय प्रति वर्ष राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से विभिन्न पर्यटन परियोजनाओं के लिए उन्हें केंद्रीय वित्तीय सहायता **(**सीएफए**)** प्रदान करता है जिसकी स्वीकृति निधियों की उपलब्धता, परस्पर प्राथमिकता और योजना दिशा निर्देशों के अनुपालन की शर्त पर दी जाती है।

क्रूज पर्यटन के संवर्धन के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं :

I. क्रूज वेसल्स की हैंडलिंग तथा यात्रियों के आवागमन को सरल बनाने के लिए पत्तनों में उपयुक्त अवसंरचना का विकास करना।

II. इन पत्तनों का विकास विशेष टर्मिनलो और क्रूज वेसल्स की बर्थिंग तथा यात्रियों के चढ़ने-उतरने के लिए अन्य संबंधित अवसंरचना के साथ क्रूज पोतो को आकर्षित करने के लिए किया गया है।

III. पर्यटन मंत्रालय तथा पोत परिवहन मंत्रालय द्वारा संयुक्त रुप से क्रूज पर्यटन संबंधी एक कार्यबल का गठन किया गया है जिसमें भारत में क्रूज पर्यटन के विकास के लिए एक समर्थकारी तंत्र सृजित करने के उद्देश्य से समन्वित प्रयासों हेतु सभी प्रमुख पत्तनो के प्रतिनिधि और हितधारक शामिल हैं।

IV. पोत परिवहन मंत्रालय ने क्रूज गंतव्य के रूप में भारत के विकास के मद्देनजर एक विजन दस्तावेज जारी किया है।

(ख) : पोत परिवहन मंत्रालय ने भारत के प्रमुख पत्तनों में आने वाले क्रूज यात्रियों और वेसल्स की संख्या की स्थिति के संबंध में निम्नलिखित डाटा प्रदान किया है :

वर्ष पोर्ट	**2018-19**		**2019-20**	
	यात्रियों की संख्या	क्रूज वेसल्स की संख्या	यात्रियों की संख्या	वेसल्स की संख्या
चेन्नई पोर्ट ट्रस्ट	**3685**	**5**	**612**	**2**
कोच्चीन पोर्ट ट्रस्ट	**62753**	**49**	**67907**	**44**
नया मेंगलोर पोर्ट ट्रस्ट	**29372**	**26**	**24080**	**21**
मोरमोंगो पोर्ट ट्रस्ट	**80510***	**102***	**152875***	**163***
मुम्बई पोर्ट ट्रस्ट	**86757***	**106 ***	**222105**	**221***
कुल	**263077**	**288**	**467579**	**451**

* घरेलू तथा विदेशी क्रूज वेसल्स के डाटा शामिल हैं

(ग) : पोत परिवहन मंत्रालय ने यह सूचित किया है कि क्रूज वेसल्स के लिए घरेलू पोर्टिंग सुविधा से युक्त समुद्रवर्ती राष्ट्र क्रूज पर्यटन से मुख्य रूप से लाभान्वित होते हैं। भारतीय पत्तन मुख्य रूप से मुंबई, कोच्चीन, गोवा, न्यू मंगलौर तथा चेन्नई के पत्तन क्रूज़ लाइंस के आवागमन के लिए हैं। तथापि कोस्टा लगातार चार सीजन के लिए होम पोर्टेड शिप चलाता है और मुंबई- न्यू मंगलौर- कोचीन- माले- कोलंबो- गोवा- मुंबई की यात्रा करता है।

भारतीय क्रूज व्यवसाय में वृद्धि करने के लिए सरकार ने क्रूज शिपिंग के संवर्धन हेतु कार्य योजना तथा रोडमैप तैयार करने, पोर्ट टैरिफ के उदारीकरण, अंतर्राष्ट्रीय क्रूज वेसल के

लिए कैबोटेज में छूट देने, आप्रवासन स्वीकृति प्रक्रियाओं को सरल बनाने आदि सहित विभिन्न कदम उठाए हैं I

(घ) पर्यटन मंत्रालय द्वारा पर्यटन अवसंरचना विकास हेतु केंद्रीय एजेंसियों को सहायता तथा स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण अनुबंध में दिया गया है।

(ड.) पर्यटन मंत्रालय तथा पोत परिवहन मंत्रालय द्वारा संयुक्त रुप से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विख्यात परामर्शदाता की सहायता से क्रूज पर्यटन के विकास के लिए एक राष्ट्रीय रोडमैप तैयार किया गया है जिसमें अगले **25** वर्ष में अभूतपूर्व वृद्धि का अनुमान है। इसके अनुसार वर्ष **2016** में **0.2** मिलियन यात्रियों की संख्या से वर्ष **2041** में 250000 व्यक्तियों की रोजगार क्षमता के साथ **4** मिलियन तक पहुंचने का अनुमान है।

(च) : क्रूज पर्यटन अपनी प्रारंभिक अवस्था में है। पोत परिवहन मंत्रालय ने यह सूचित किया है कि क्रूज वेसल्स के लिए घरेलू पोर्टिंग सुविधा से युक्त समुद्रवर्ती राष्ट्र क्रूज पर्यटन से मुख्य रूप से लाभान्वित होते हैं। क्रज पर्यटन को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने, अवसंरचना सुविधाओं को बेहतर बनाने और स्वीकृति संबंधी प्रक्रिया को नए सिरे से तैयार किए जाने की आवश्यकता है। सरकार ने सभी संबद्ध एजेंसियों को कवर करते हुए एक मानक प्रचालन प्रक्रिया जारी की है और वह क्रूज पर्यटन के संवर्धन के लिए विभिन्न अवसंरचना सुविधाओं को बेहतर बना रही है।

कोविड-**19** महामारी ने भी क्रूज पर्यटन को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया है।

****

अनुबंध

क्रूज टूरिज्म का विकास के सम्बन्ध में दिनांक 19.09.2020 के लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या +1332 के भाग (घ) के उत्तर में विवरण

पर्यटन मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम/राज्य	स्वीकृति राशि	निर्मुक्त राशि
पर्यटन अवसंरचना विकास हेतु केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजना				
1	**2016-17**	एर्नाकुलम वार्फ के बर्थ तथा बैकअप एरिया के आधुनिकीकरण के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता/केरल	**21.41**	**17.12**
2	**2016-17**	पर्यटन गंतव्य के रूप में कनौजी आंग्रे लाइट हाउस के विकास के लिए मुंबई पोर्ट ट्रस्ट को केंद्रीय वित्तीय सहायता/ महाराष्ट्र	**15.00**	**15.00**
3	**2017-18**	इंदिरा डॉक, मुंबई में अंतरराष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल का उन्नयन/महाराष्ट्र	**12.50**	**12.50**
4	**2018-19**	मुर्मूगांव में आप्रवासन सुविधा को बेहतर बनाना और मौजूदा क्रूज बर्थ को गहरा करना/ गोवा	**13.16**	**6.58**
5	**2018-19**	विशाखापट्टनम पोर्ट के बाहरी बंदरगाह में चैनल बर्थ एरिया में क्रूज- कम- कोस्टल कार्गो टर्मिनल का निर्माण/ आंध्र प्रदेश	**38.50**	**19.25**
स्वदेश दर्शन योजना				
1	**2016-17**	तेजपुर - माजुली -शिवसागर का विकास/असम	**90.98**	**69.64**
2	**2016-17**	स्वदेश दर्शन योजना के हिमालय परिपथ के अंतर्गत में पर्यटन अवसंरचना परियोजनाओं का एकीकृत विकास/ जम्मू एवं कश्मीर	**82.97**	**60.47**
3	**2016-17**	गोपालपुर, बरकुल, सतपदा और तमपारा का विकास/ओडीशा	**70.82**	**52.96**
4	**2017-18**	गांधीसागर बांध - मंडलेश्वर बांध- ओंकारेश्वर बांध- इंदिरा सागर बांध- तवा बांध- बरगी बांध- भेड़ाघाट- बाणसागर बांध- केन नदी का विकास/मध्य प्रदेश	**94.61**	**79.70**
5	**2018-19**	मालानाड मालाबार क्रूज पर्यटन परियोजना का विकास/केरल	**80.37**	**23.77**

****